राजस्थान भाजपा के विधायकों और सांसदों के लिए गुजरात के केवड़िया में आयोजित हो रहे प्रशिक्षण शिविर के दूसरे दिन मंगलवार को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सभी विधायकों के साथ पीछे की पंक्ति में बैठकर प्रशिक्षण लिया। प्रशिक्षण के तीनों सत्रों में वे आम विधायक की तरह मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री भजनलाल ने अंतिम पंक्ति में बैठ कर प्रशिक्षण लिया

आज के तीनों सत्रों में मुख्यमंत्री से मंच पर बैठने का आग्रह किया गया, पर वे आम विधायक के रूप शिविर में उपस्थित रहे

- **प्रशिक्षण शिविर में केन्द्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव, राष्ट्रीय सह-संगठन मंत्री, शिवप्रकाश व राष्ट्रीय महामंत्री विनोद ताबड़े ने विधायकों को विभिन्न विषय समझाए।**

जयपुर, 6 मई। भाजपा के विधायकों और सांसदों के लिए गुजरात के केवड़िया में आयोजित हो रहे तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर के दूसरे दिन आज तीन सत्र आयोजित हुए। केन्द्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव, राष्ट्रीय सह-संगठन मंत्री शिव प्रकाश और राष्ट्रीय महामंत्री विनोद तावड़े ने विधायकों और सांसदों को सुशासन का पाठ पढ़ाया। तीनों सत्रों में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सभी विधायकों के साथ पीछे की पंक्तियों में बैठकर प्रशिक्षण लिया। मुख्यमंत्री शर्मा को मंच पर और आगे की पंक्तियों में बैठने का आग्रह किया गया। उन्होंने इसके लिए मना कर दिया। वे तीनों सत्रों में आम विधायक की तरह मौजूद रहे। वहीं, उप मुख्यमंत्री प्रेमचंद बैरवा, केन्द्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल और विधायक अनिता भदेल मुख्य वक्ता के साथ मंच पर मौजूद रहे।

शिविर के दूसरे दिन पहले सत्र में केन्द्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव ने राजस्थान के संदर्भ में ''मोदी सरकार की परिवर्तनकारी नीतियां'' विषय पर चर्चा की। उन्होंने इस विषय पर जोर दिया कि विकसित भारत-विकसित राजस्थान की संकल्पना को पूरा करने वाली केन्द्र सरकार की विभिन्न योजनाओं को किस तरह से सफल किया जाए।

दूसरे सत्र में राष्ट्रीय सह-संगठन मंत्री शिव प्रकाश की चर्चा का विषय था कि भाजपा और अन्य दलों के बीच वैचारिक मतभेदों और अन्य दलों की विघटनकारी नीतियों से किस तरह सावधान रहा जाए। उन्होंने भाजपा विधायकों और सांसदों को भाजपा के मूलभूत सिद्धांतों, राष्ट्रीयता और समग्र विकास के दृष्टिकोण के बारे में बताया।

तीसरे सत्र में राष्ट्रीय महामंत्री विनोद तावड़े की अध्यक्षता में ''सोशल मीडिया एवं विमर्श निर्माण-हमारी भूमिका'' विषय पर चर्चा हुई। उन्होंने सोशल मीडिया के माध्यम से किस तरह राष्ट्रीय भावना का निर्माण किया जाए, इसकी जानकारी दी।

गौरतलब है कि इससे पहले शिविर के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने सभी विधायकों और सांसदों को ठेकेदारों से सावधान रहने की नसीहत दी थी।

उन्होंने सत्र को संबोधित करते हुए कहा था कि जिन लोगों से आप 24 घंटे घिरे रहते हो, वो ज्यादा काम आने वाले नहीं हैं। पार्टी के मूल वोटर पर पकड़ जरूरी है, ऐसे लोगों से घिरे होने की वजह से मूल वोटर नाराज होकर छिटक जाता है।

पाकिस्तान बॉर्डर पर, वायुसेना आज करेगी युद्धाभ्यास

नई दिल्ली, 06 मई। भारत और पाकिस्तान के बीच जारी तनावपूर्ण रिश्तों के बीच बड़ा फैसला लिया गया है। भारत 7 और 8 मई को पाकिस्तान बॉर्डर के पास बड़ा हवाई अभ्यास करने जा रहा है। इस संबंध में भारत ने नोटिस टू एयरमैन जारी किया है। इस अभ्यास में, भारतीय वायु सेना राजस्थान में बॉर्डर के पास अपनी ताकत दिखाएगी। सीमा पर तनाव को देखते हुए, यह अभ्यास भारत की सतर्कता का संकेत है।

भारतीय वायु सेना 7 और 8 मई को राजस्थान मेंपाकिस्तानसीमा के पास एक बड़ा हवाई अभ्यास करेगी। इसके लिए एक नोटिस टू एयरमैन जारी किया गया है। नोटिस टू एयरमैन का मतलब

- **राजस्थान में पाकिस्तान सीमा पर दोपहर 3.30 बजे युद्धाभ्यास शुरू होगा और 8 मई रात 9.30 तक चलेगा।**

है, विमान पायलट को दी जाने वाली सूचना। सूत्रों के मुताबिक, यह एक्सरसाइज एयरफोर्स कई जगहों पर एक साथ करेगा। एयरफोर्स के अलग-अलग बेस से फाइटर उड़ान भरेंगे। जैसलमेर, पोखरण, जोधपुर और बीकानेर में यह एक्सरसाइज होगी। इसमें फाइटर जेट रफाल, सुखोई-30, मिराज भी शामिल होंगे। नोटिस टू एयरमैन के अनुसार, ये अभ्यास 7 मई को दोपहर 3:30 बजे शुरू होगा और 8 मई को रात 9:30 बजे तक चलेगा। इस दौरान, उस क्षेत्र में विमानों की आवाजाही पर कुछ रोक रहेगी। इस अभ्यास में, फाइटर जेट के साथ-साथ सर्विलांस एयरक्राफ्ट शामिल होंगे।

'भाजपा कार्यकर्ताओं के लिए सदा राष्ट्रहित सर्वप्रथम होता है'

मुख्यमंत्री भजनलाल ने प्रशिक्षण शिविर में कहा, कांग्रेस राजनीतिक चश्मे से देखकर काम करती है

- **मुख्यमंत्री ने शिविर में अपने संबोधन में कहा कि जयपुर में मेट्रो विस्तार के लिए डी.पी.आर. तैयार कर ली गई है। केन्द्र सरकार के साथ जॉइंट वैंचर कंपनी भी बना ली गई है।**

केवड़िया/जयपुर, 6 मई। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राजस्थान में हमारी डबल इंजन सरकार विकास के नये कीर्तिमान स्थापित कर रही है और वर्षों से लंबित कार्यों की राह प्रशस्त करने के साथ ही, ''विकसित भारत-विकसित राजस्थान'' के संकल्प को साकार करने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है।

शर्मा मंगलवार को गुजरात के केवड़िया में आयोजित भाजपा सांसदों और विधायकों के तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार गौरवशाली भारत का निर्माण कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारी प्राथमिकता में पहले राष्ट्र हित, फिर पार्टी हित और अंत में स्वहित आता है, जबकि कांग्रेस राजनीतिक चश्मे से देखकर काम करती है। उसने अपनी संस्कृति और विचारों को भी छोड़ दिया है।

शर्मा ने विश्वास व्यक्त किया कि यह प्रशिक्षण शिविर भाजपा के जनप्रतिनिधियों को नीति और रणनीति सिखाने के साथ ही, नैतिक मूल्यों और जनसेवा के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को भी सशक्त करेगा।

प्रशिक्षण शिविर को संबोधित करते हुए शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के युवाओं और महिलाओं के कल्याण के लिए भी पूरी तरह प्रतिबद्ध है। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के दौरान जो 37 लाख करोड़ के एमओयू हस्ताक्षरित किए हैं, उनसे प्रदेश में बड़ी संख्या में रोजगार का सृजन होगा।

शर्मा ने कहा कि महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए लखपति दीदी योजना के तहत 14 लाख से ज्यादा महिलाओं को विभिन्न कौशल प्रशिक्षण प्रदान किए गए हैं।

शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत, 96 हजार से अधिक शहरी और ग्रामीण आवास बनाए जा चुके हैं तथा 5 लाख 48 हजार से अधिक नए आवास स्वीकृत किए गए हैं।

प्रशिक्षण शिविर में अपने संबोधन के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि हम प्रदेश के आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ करने के साथ ही बुनियादी सेवाओं का विस्तार कर रहे हैं। जयपुर में मेट्रो सेवा के विस्तार के लिए डीपीआर तैयार कर ली गई है तथा केन्द्र सरकार के साथ जॉइंट वैंचर कंपनी बना ली गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने फरवरी 2024 से मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना (मा) प्रारंभ की है।

इस अवसर पर राजस्थान के भाजपा सांसदगण, विधायकगण, पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्त्ता उपस्थित थे।

'आईओसी 4 सप्ताह...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कि मानवीय जीवन व मानवीय संवेदना किसी प्रतिष्ठान के निजी फायदे से बडा है। आईओसीएल एक सार्वजनिक उपक्रम है, उसे जनहित को देखते हुए इस मुद्दे पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। अदालत ने कहा कि जिस जगह पर प्लांट लगाया गया था, उस समय हो सकता है कि इसे नियमानुसार लगाया गया हो।

मौजूदा समय में प्लांट के पास रिहायशी कॉलोनियों सहित हॉस्पिटल, कॉलेज व स्कूल बन गए हैं और अब यह प्लांट उनके लिए खतरा हो गया है। खंडपीठ ने आईओसीएल से कहा कि वे चाहें तो प्लांट के लिए जगह चिन्हित कर लें। सुनवाई के दौरान एएसजी आरडी रस्तोगी ने पेट्रोलियम एवं विस्फोटक सुरक्षा संगठन को भी पक्षकार बनाने के लिए कहा। जिस पर कोर्ट ने संगठन को भी पक्षकार बनाने का निर्देश दिया।

याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता डॉ. अभिनव शर्मा ने बताया कि साल 2009 में आईओसीएल के फ्यूल ऑयल स्टोरेज प्लांट में लगी आग में 12 लोगों की मौत हुई थी। राज्य सरकार की जांच कमेटी ने 2011 की रिपोर्ट में माना था कि आईओसीएल के सीतापुरा स्थित घरेलू गैस के बॉटलिंग प्लांट को जगतपुरा व सीतापुरा में आबादी विस्तार को देखते हुए शहर से बाहर भेजना चाहिए।

इस प्लांट में जामनगर लूणी गैस पाइप लाइन से एलपीजी उच्च दबाव पर सप्लाई होती है, जो सामने के रीको इंस्टीट्यूशनल एरिया के नीचे से आती है। इसके ऊपर ही महात्मा गांधी अस्पताल, पूर्णिमा कॉलेज, राजस्थान फार्मेसी कौंसिल सहित अनेकों शैक्षिणक संस्थान बन गए हैं।

इसलिए बॉटलिंग प्लांट को शहर से बाहर भेजा जाए।

एयरपोर्ट को ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कहा गया कि दिनांक 15 व 16 फरवरी को उनके ईमेल एड्रेस पर मेल प्राप्त हुआ। जिसमें कहा गया कि जयपुर एयरपोर्ट पर अलग-अलग समय पर बम विस्फोट किया जाएगा। जिसकी आरंभिक सूचना 16 फरवरी को दी जा चुकी थी।

रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने अभियुक्त को गिरफ्तार कर अदालत में आरोप पत्र पेश किया। अभियुक्त ने कहा कि उसने अज्ञानतावश मेल कर दिया था।

मेन लाइन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

पर पहुंच गये हैं तथा यह बता रहे हैं कि उन्हें क्या करना है।

सोशल मीडिया को बैन करना असम्भव है तथा जो प्लेटफॉर्म अस्तित्व में हैं, वे डिलीट नहीं किये जा सकते।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने पाकिस्तान से की कड़ी पूछताछ

सूत्रों के अनुसार, सुरक्षा परिषद ने पहलगाम हमले पर पाकिस्तान की ''झूठी'' कहानी को खारिज किया

- **सुरक्षा परिषद सदस्यों ने मिसाइल टैस्ट के लिए और परमाणु युद्ध की बयानबाजी के लिए पाकिस्तान की कड़ी आलोचना की।**

संयुक्त राष्ट्र/नई दिल्ली, 06 मई। पहलगाम हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ ते तनाव पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में चर्चा के दौरान सदस्यों ने पाकिस्तान द्वारा फैलाए जा रहे झूठे बयान को मानने से इनकार कर दिया और पूछा कि क्या पहलगाम आतंकी हमले में लश्कर-ए-तैयबा का हाथ होने की संभावना है।

सूत्रों के अनुसार, सुरक्षा परिषद में सोमवार को इस्लामाबाद द्वारा प्रस्तावित अनौपचारिक बैठक में सदस्यों ने बंद कमरे में पाकिस्तान से कठिन सवाल किये। सदस्यों ने पहलगाम आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की और पाकिस्तान के मिसाइल परीक्षणों और परमाणु बयानबाजी की आलोचना की।

सूत्रों ने कहा कि सदस्यों ने पाकिस्तान से भारत के साथ द्विपक्षीय मुद्दों को सुलझाने के लिए कहा है।

सूत्रों ने कहा, कई सदस्यों ने चिंता व्यक्त की कि पाकिस्तान के मिसाइल परीक्षण और परमाणु बयानबाजी तनाव बढ़ ाने का कारण बन सकते हैं। स्थिति का अंतर्राष्ट्रीयकरण करने के पाकिस्तान के प्रयास भी विफल रहे। उसे भारत के साथ द्विपक्षीय मुद्दों को सुलझाने की सलाह दी गई ।

सूत्रों ने इस्लामी आतंकवादियों द्वारा पहलगाम में किए गए आतंकवादी हमले का हवाला देते हुए बताया, आतंकवादी हमले की व्यापक निंदा की गई और जवाबदेही पर बल दिया गया। कुछ सदस्यों ने विशेष रूप से धार्मिक आस्था के आधार पर पर्यटकों को निशाना बनाए जाने का मुद्दा उठाया।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद सदस्यों ने अनौपचारिक सत्र में पाकिस्तान से कठिन सवाल पूछे। उन्होंने पाकिस्तान द्वारा फैलाए जा रहे झूठे बयान को मानने से इनकार कर दिया और पूछा कि क्या लश्कर-ए-तैयबा के हमले में शामिल होने की संभावना है।

मई महीने के लिए सुरक्षा परिषद के अध्यक्ष ग्रीस ने पाकिस्तान के अनुरोध पर सोमवार को बैठक निर्धारित की थी। पाकिस्तान अभी परिषद में अस्थायी सदस्य है। बैठक के बाद कोई बयान जारी नहीं किया गया।

पाकिस्तान ने पिछले सप्ताह में दो बैलिस्टिक मिसाइलों का परीक्षण किया है और उसके सूचना मंत्री और रक्षा मंत्री ने आक्रामक बयान जारी किए हैं, जिनमें कहा गया है कि भारत द्वारा बहुत जल्द पाकिस्तान पर हमला करने की संभावना है।

पहलगाम आतंकवादी हमले में 26 पर्यटकों की हत्या के बाद से दोनों देशों के बीच संबंधों में कड़वाहट आ गयी है।

भारत ने सिंधु जल संधि को निलंबित करने, अटारी सीमा चौकी को बंद करने, पाकिस्तान के साथ सभी प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष व्यापारिक संपर्कों को बंद करने के साथ-साथ, डाक संपर्कों को भी बंद करने का फैसला किया है।

विधायक रिश्वत ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

डीआईजी एसीबी राहुल कोटोकि ने बताया कि रोहित के मामा और उसके परिचित को मंगलवार को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से एक दिन का रिमांड मिला है। बुधवार को विधायक, उसके चचेरे भाई , रोहित के मामा और उसके परिचत को एक साथ पेश किया जाएगा। विधायक से पूछताछ की जा रही है, लेकिन वे स्पष्ट जानकारी नहीं दे रहे हैं। हालांकि विधायक के रिश्वत कांड को लेकर एसीबी के पास सारे सबूत और तथ्य मौजूद हैं। एसीबी अधिकारियों का कहना है कि विधायक से जांच में सहयोग नहीं मिल रहा है। विधायक किसी भी सवाल का ठीक तरह से जवाब नहीं दे रहे हैं।

भारत व इंग्लैण्ड...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

लागत और बेहतर पूंजी प्रवाह ढांचे का लाभ मिलेगा। आर.सी.ई.पी. से बाहर रहने के बाद से भारत की व्यापार नीति ऐसे लक्षित समझौतों की ओर झुकी है, जो राष्ट्रीय हितों की पूर्ति करते हैं।

यूके समझौता इस बात को दर्शाता है कि उदारीकरण-चाहे वह वस्तुओं, सेवाओं या डिजिटल व्यापार में हो-को लेकर नई दिल्ली आत्मविश्वास से भरी है, जबकि संवेदनशील क्षेत्रों की सुरक्षा भी सुनिश्चित कर रही है।

भारत में 259 जिलों में आज होगी मॉक ड्रिल

गृह मंत्रालय ने उन जिलों की लिस्ट जारी की जहां मॉक ड्रिल होगी

- **मॉक ड्रिल के लिए जिलों को संवेदनशीलता के आधार पर तीन वर्गों में बांटा गया है**
- **पहले वर्ग में अति संवेदनशील जिलों को रखा गया है। इसमें 13 जिले हैं दूसरे संवेदनशील वर्ग में 201 जिलों को तथा तीसरे कम संवेदनशील वर्ग में 45 जिलों को रखा गया है।**

नई दिल्ली, 06 मई। पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान से तनाव के बीच बुधवार को देश के 259 इलाकों में युद्ध के दौरान बचाव के तरीकों की मॉक ड्रिल होगी। गृह मंत्रालय ने इन इलाकों को सिविल डिफेंस डिस्ट्रिक्ट के तौर पर लिस्ट किया है। ये सामान्य प्रशासनिक जिलों से अलग हैं। सिविल डिफेंस डिस्ट्रिक्ट्स को उनकी संवेदनशीलता के आधार पर 3 कैटेगरी में बांटा गया है। कैटेगरी-1 सबसे संवेदनशील और कैटेगरी-3 कम सेंसिटिव है। गृह मंत्रालय ने 5 मई को सभी राज्यों को मॉक ड्रिल कराने के आदेश जारी किए थे। दिल्ली में गृह मंत्रालय में हुई हाईलेवल मीटिंग में मॉक ड्रिल की तैयारियों की समीक्षा की गई। इसमें राज्यों के मुख्य सचिव और सिविल डिफेंस चीफ समेत कई हाई रैंक ऑफिसर मौजूद थे।

दरअसल, मिनिस्ट्री ऑफ होम अफेयर्स ने देश के कुल 35 राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों में 259 सिविल डिफेंस डिस्ट्रिक्ट बनाए हैं। जरूरी नहीं ये सिविल डिफेंस डिस्ट्रिक्ट सामान्य एडमिनिस्ट्रेटिव डिस्ट्रिक्ट हों। जैसे- उत्तर प्रदेश में कुल 19 सिविल डिफेंस डिस्ट्रिक्ट बनाए गए हैं।

कुल 259 सिविल डिफेंस डिस्ट्रिक्ट को इनके इंपोर्टेंस या सेंसेटिविटी के आधार पर 3 कैटेगरी में बांटा गया है।

कैटेगरी 1 में वो डिस्ट्रिक्ट हैं जो सबसे सेंसेटिव हैं। ऐसे कुल 13 डिस्ट्रिक्ट हैं। जैसे- उत्तर प्रदेश में केवल 1 डिस्ट्रिक्ट - बुलंदशहर कैटेगरी 1 में है क्योंकि यहां नरौरा न्यूक्लियर प्लांट मौजूद है।

इसी तरह कैटेगरी 2 में 201 जबकि कैटेगरी 3 में 45 डिस्ट्रिक्ट हैं।

गृह मंत्रालय के सूत्रों के मुताबिक, नागरिकों को यह हिदायत भी दी जाएगी कि वे मेडिकल किट, राशन, टॉर्च और मोमबत्तियां अपने घरों पर रखें। इसके अलावा कैश भी साथ रखें, क्योंकि इमरजेंसी में मोबाइल और डिजिटल ट्रांजैक्शन फेल हो सकते हैं।

केन्द्रीय गृह मंत्रालय के निर्देश पर विभिन्न राज्यों में बुधवार को होने वाले सिविल डिफेंस मॉक अभ्यास से पहले मंगलवार को यहां केन्द्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन ने राज्यों के मुख्य सचिवों के साथ बैठक कर अभ्यास की तैयारियों पर चर्चा की।

ईरान के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आकस्मिक भारत यात्रा को कूटनीतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

तीये की बैठक

अत्यंत दुख के साथ सूचित किया जाता है कि

अणु जैन

(पुत्र जस्टिस पाना चन्द जैन)

का आकस्मिक निधन दिनांक 5 मई सोमवार को हो गया है।

तीये की बैठक दिनांक 7 मई प्रात: 10 बजे तोतूका भवन, भट्टारकजी की नसियां, जयपुर में होगी।

शोकाकुल परिवार

जस्टिस पाना चन्द जैन (पिता), वीरेन्द्र-ललिता (भाई-भाभी) मीनू जैन (पत्नी), मणि-विजय अजमेरा, शकुन जैन, एकता-प्रदीप श्रीमाल (बहन-बहनोई), यश-आरूषि (भतीजा-भतीजा बहू), अतिशय-पलक (पुत्र एवं पुत्रवधू), कृषि-गौरव (भतीजी-दामाद), सृष्टि (पुत्री), आव्या (पोती), राहिल (पोता)

ससुराल पक्ष

विशाल जैन, अनुराग जैन एवं समस्त भूच परिवार।

सड़क हादसे में घायलों को पूरे देश में मुफ्त इलाज मिलेगा

नई दिल्ला, 06 मई। भारत सरकार ने पूरे देश में कैशलेस ट्रीटमेंट स्कीम (नकद रहित इलाज योजना) लागू करने की अधिसूचना जारी कर दी है। जिसके तहत सड़क दुर्घटना के शिकार हर व्यक्ति को प्रति हादसा अधिकतम 1.5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज मिल सकेगा।

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा जारी गजट अधिसूचना के अनुसार, यह योजना 5 मई, 2025 से लागू हो गई है।

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की ओर से जारी अधिसूचना के मुताबिक, अगर किसी भी व्यक्ति का मोटर वाहन के कारण सड़क पर एक्सिडैंट होता है, तो उसे इस स्कीम के तहत देश के किसी भी हिस्से में इलाज की सुविधा मुफ्त में मिलेगी। हादसे के शिकार व्यक्ति को सरकारी या नामित अस्पतालों में इलाज के लिए कोई पैसे नहीं देने होंगे।

इस योजना के तहत पीड़ित व्यक्ति को दुर्घटना की तारीख से अगले सात दिनों तक, अधिकतम 1,50,000 रुपये तक का मुफ्त इलाज दिया जाएगा। यह सुविधा सिर्फ उन अस्पतालों में पूरी तरह लागू होगी जो सरकार द्वारा ''नामित'' किए गए हैं।

अगर किसी कारणवश पीड़ित को नामित अस्पताल नहीं मिल पाता और इलाज किसी अन्य अस्पताल में कराया जाता है। तो उस स्थिति में उस अस्पताल में सिर्फ स्थिर हालत (स्टेबलाइजेशन) तक का इलाज ही इस योजना के तहत कवर किया जाएगा। इस बारे में अलग से गाइडलाइंस जारी की गई हैं। इस योजना को लागू करने की जिम्मेदारी नेशनल हेल्थ अथॉरिटी को सौंपी गई है। यह संस्था पुलिस, अस्पतालों और राज्य स्तरीय स्वास्थ्य एजेंसियों के साथ मिलकर काम करेगी ताकि स्कीम को प्रभावी ढ ंग से लागू किया जा सके।

हर राज्य या केंद्र शासित प्रदेश में स्टेट रोड सेफ्टी काउंसिल इस योजना की नोडल एजेंसी होगी। यह काउंसिल इस बात की निगरानी करेगी कि योजना को ठीक से लागू किया जाए।

जयराम रमेश के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जरूरत नहीं समझी।

जयराम इस पद के लिए अनुपयुक्त व्यक्ति हैं। वे नहीं जानते कि मीडिया को कांग्रेस के पक्ष में कैसे किया जाये, और यह चीज कांग्रेस के लिए बहुत नुकसानदायक है।

शुरूआत में ही, जब पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे उन्हें हटाना चाहते थे, तो राहुल गांधी ही उनके समर्थन में आ गये थे।

और अब, जब राहुल गांधी भी समझ गये हैं कि वे पार्टी के लिए बोझ हैं। वे न मीडिया को समझते हैं और न बोलने में ही माहिर हैं। लेकिन सोनिया गांधी उन्हें इस पद पर बनाए हुए हैं।

जयराम रमेश ने खतरे को भांपते हुए खड़गे की थोड़ी चापलूसी करनी शुरू कर दी। उन्होंने खड़गे से कहा कि वे राजनीति में इतने वरिष्ठ हैं तथा उन्हें राजनीति का इतना लम्बा अनुभव है कि उन पर एक किताब लिखी जानी चाहिए, जिसमें उनके जीवन, उनकी राजनैतिक यात्रा और पूरे दौर का विस्तृत वर्णन हो। यही नहीं, उन्होंने खड़गे पर इस प्रकार की किताब लिखने के लिए स्वयं को पेश भी कर दिया।

खड़गे एक भले व्यक्ति है लेकिन उन्होंने दुनिया देखी है। वे तुरन्त जयराम का मंतव्य समझ गये, और जवाब में सिर्फ मुस्करा दिये।

दरअसल, इस समय कांग्रेस को एक अच्छे मीडिया प्रभारी की जरूरत है, जिसके पास इस बात की तह तक पहुंचने की क्षमता हो कि पार्टी में निर्णय लेने वाले शीर्ष स्तर पर क्या चल रहा है। इसके साथ ही, वह किसी बात इस तरह घुमाकर प्रस्तुत करने की क्षमता एवं महारथ रखता हो कि भाजपा के शीर्ष नेतृत्व को भी घुमा सके।

जयराम का एक नकारात्मक पक्ष और भी है। वे अमित शाह के घोर प्रशंसक है तथा कई मुद्दों पर उनकी प्रशंसा करते हुए, लोगों ने छिपकर उन्हें सुना भी है।

सुप्रीम कोर्ट के जजों ने वैबसाइट पर संपत्ति घोषित की

नयी दिल्ली, 06 मई। उच्चतम न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना समेत अधिकतर न्यायाधीशों ने अपनी संपत्ति का ब्यौरा सार्वजनिक कर दिया है। शीर्ष अदालत की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध कराई गई जानकारी के मुताबिक न्यायपालिका में पारदर्शिता बढ़ ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के तौर पर 33 न्यायाधीशों में से 21 ने सोमवार को अपनी संपत्ति घोषित की। न्यायाधीशों अपने खुद के अलावा जीवनसाथी की संपत्ति भी सार्वजनिक कर दी।

पूर्व एन.डी.ए...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

के लिये राहुल गांधी को, तथा उस माँग को स्वीकार करने के लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद दिया।

सलेक्टिव मीडिया, कोटा के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी रोड, कोटा से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा आर.एन.आई. नं. 28446/75, **जयपुर कार्यालय:** सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, **बीकानेर कार्यालय :** कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, **उदयपुर कार्यालय:** आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, **अजमेर कार्यालय:** राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 **जालोर कार्यालय :-** जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 **हिण्डौनसिटी कार्यालय :-** जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 **चूरू कार्यालय :** एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908